सत्य सनातन सुन्दर शिव सबके स्वामी।
अविकारी अविनाशी अज अन्तर्यामी॥ हर २ महादेव
आदि अनन्त अनामय अकल कलाधारी॥
अमल अरूप अगोचर अविचल अघहारी॥ हर २ महादेव
ब्रह्मा विष्णु महेश्वर तुम त्रिमूर्ति धारी।
कर्ता भर्ता धर्ता तुम ही संहारी॥ हर २
रक्षक भक्षक प्रेरक प्रिय औढरदानी।
साक्षी परम अकर्ता कर्ता अभिमानी॥ हर २
मणिमय भवन निवासी अति भोगी रागी
सदा मसान विहारी योगी वैरागी॥ हर २
छाल कपाल गरल गल मुण्डमाल व्याली।
चिताभस्म तन त्रिनयन अयन महाकाली॥ हर २
[illegible] सुसेवित पीत जटाधारी

विवसन विकट रूपधर रुद्र प्रलयकारी। हर २
शुभ्र सौम्य सुरसरि धर शशिधर सुखकारी।
अति कमनीय शान्तिकर शिव मुनी मन हारी। हर २
निर्गुण सगुण निरञ्जन जगमय नित्य प्रभो॥
काल रूप केवल हर कालातीत विभो॥ हर २
सत चित आनन्द रसमय करुणामय धाता
प्रेम सुधा निधि प्रियतम अखिल विश्व त्राता॥ हर २
हम अति दीन दयामय चरण शरण दीजै
सब विधि निर्मल मति कर अपना कर लीजै हर २ महादेव